वी.यू. के अंतर्गत आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में तृतीय युवा उद्यमी संवाद की आत्मनिर्भरता हेतु आयोजन

जबलपुर। आज दिनांक 14.09.2021 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश रोडमेप में युवाओं को पशुपालन के क्षेत्र में ऑनलाइन (जूम वर्चुअल) द्वारा युवा उद्यमी पशुपालकों के स्वर्णिम भविष्य की ओर पशुपालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं रोजगारन्मुखी बनाने हेतु तृतीय युवा उद्यमी संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री जे.एन. कंसोटिया जी, आई.ए.एस.अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल, कार्यक्रम की अध्यक्षता यशस्वी एवं ऊर्जावान माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर, विशिष्ट अतिथि सम्मानीय डॉ. आर.के. मेहिया, संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल एवं डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, पशुचिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली के सानिध्य में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जे.एन. कंसोटिया जी ने उद्गार व्यक्त करते हुये कहा कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, का सपना साकार करने के लिये कृषकों एवं पशुपालकों की आय में दोगुनी वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया हैं एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सम्मानीय डॉ. आर. के. मेहिया, संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल एवं डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, पशुचिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली ने सम्बोधित करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश के युवा उद्यमी वि.वि. एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा आयोजित होने वाले पशुपालन से संबंधित प्रशिक्षणों में सहभागिता निभाते हुये, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालन से संबंधित शासकीय योजनाओं से लाभान्वित होकर अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करते हुये आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगें। इसी कार्यक्रम की श्रंखला में कार्यक्रम की अध्यक्षता में माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में एकीकृत उन्नत कृषि पशुपालन प्रणाली के माध्यम से पशुपालकों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उद्बोधन की इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर पावर प्वांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिसमें डॉ. अकलंक जैन, डेयरी पालन, डॉ. सुनील नायक, पशु आहार, डॉ. अनिल कुमार गौर, बकरी पालन, डॉ. गिरिराज गोयल, कुक्कुट पालन, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. मनोज अहिरवार व डॉ. नितिन बजाज– रोग और निदान संबंधी, डॉ. विष्णु गुप्ता, प्रदेश की विभिन्न परियोजनाओं, डॉ. पी.के. सिंह, पशु उत्पादन प्रसंस्करण एवं डॉ. सोना दुबे, मत्स्य पालन पर विस्तृत एवं सारगर्भित पशुपालन संबंधी तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया।

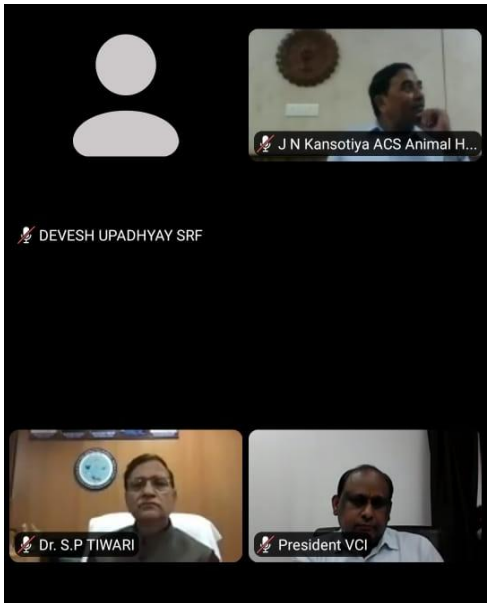

कार्यक्रम की श्रंखला में युवा पशुपालकों की समस्याओं की त्वरित प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से समाधान भी किया गया, साथ ही पशुपालकों के सुझाव के अनुसार यह भी निर्णय लिया गया, कि प्रदेश में जिलेवार पशुपालकों के मोबाइल पर पशुपालक व्हाटस्अप समूहों का गठन किया जावें। पशुपालकों को पशु चिकित्सा एवं पशुपालन से संबंधित ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी तकनीकी जानकारियों उपलब्ध हो सकें। इसी वर्चुअल मीटिंग में 286 प्राध्यापकगण, पशुचिकित्सक एवं युवा उद्यमियों की गारिमामयी उल्लेखनीय रही।

तृतीय युवा संवाद में आयोजन समिति के डॉ. आर.के. शर्मा, अधिष्ठाता, डॉ. श्रीकांत जोशी, कुलसचिव, डॉ. आदित्य मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता, सह–प्राध्यापक एवं डॉ. रणवीर जाटव, सह–प्राध्यापक पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर का सक्रिय सहयोग प्रशंसनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर